



झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

8 अग्रहायण, 1941 (श०)

संख्या- 996 राँची, शुक्रवार,

29 नवम्बर, 2019 (ई०)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग।

संकल्प

22 नवम्बर, 2019

संख्या- 5/आरोप-1-58/2017 का०- 9293-- चूँकि झारखण्ड के राज्यपाल को यह विश्वास करने का कारण है कि श्री बबलू मुर्मू, सेवानिवृत्त झा०प्र०से० (कोटि क्रमांक-653/03, गृह जिला-दुमका), तत्कालीन प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, सिसई, गुमला के विरुद्ध वित्तीय वर्ष 2007-08 एवं 2008-09 में मनरेगा अंतर्गत पौधारोपण के कार्यों में गंभीर प्रकृति की वित्तीय अनियमितता बरतने संबंधी आरोप, जैसा कि ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड के पत्रांक-(N) 1091, दिनांक-13.04.2017 के माध्यम से प्राप्त उप विकास आयुक्त-सह-जिला कार्यक्रम समन्वयक, गुमला के पत्रांक-51(ii)/म०को०, दिनांक-13.01.2017 द्वारा संलग्न प्रपत्र-‘क’ में प्रतिवेदित है, प्रथम दृष्ट्या प्रमाणित पाया गया है।

2. अतः श्री मुर्मू के विरुद्ध प्रपत्र-‘क’ में गठित आरोपों की जाँच हेतु पेंशन नियमावली के नियम-43(बी) के तहत विभागीय कार्यवाही संचालित किये जाने का निर्णय लिया गया।

3. तदनुसार एतद् द्वारा श्री मुर्मू को आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प के प्राप्त होने की तिथि से पन्द्रह दिनों के अंदर जाँच हेतु नीचे नियुक्त संचालन पदाधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर लिखित बचाव बयान उनके (संचालन पदाधिकारी के) समक्ष प्रस्तुत करें तथा उसकी प्रतिलिपि इस विभाग को भी उपलब्ध कराएँ।

4. श्री मुर्मू द्वारा संचालन पदाधिकारी के समक्ष समर्पित किए जाने वाले लिखित बचाव बयान में जिन आरोपों को स्वीकार नहीं किया जाएगा, उन आरोपों की जाँच के लिए झारखण्ड के राज्यपाल, श्री गौरी शंकर मिंज, सेवानिवृत्त भा०प्र०से०, विभागीय जाँच पदाधिकारी, झारखण्ड, नगर प्रशासन भवन, एच.ई.सी. गोलचक्कर, धुर्वा, राँची को संचालन पदाधिकारी नियुक्त करते हैं।
5. श्री मुर्मू के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही के संचालन हेतु निदेशक, लेखा प्रशासन एवं स्वनियोजन, गुमला को उपस्थापन पदाधिकारी नामित किया जाता है।
6. विभागीय कार्यवाही के प्रस्ताव में सरकार का आदेश प्राप्त है।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

अशोक कुमार खेतान,
सरकार के संयुक्त सचिव।
